



WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. Programme 5th Semester Examination, 2021-22

HINGGEC01T-HINDI (GE1)

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 50

*The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के वस्तुनिष्ठ उत्तर दीजिए – 1×5 = 5
- (क) 'सुब्रह्मण्यम भारती : व्यक्तित्व और कृतित्व' पुस्तक के रचनाकार कौन हैं ?
- (ख) सीताकांत महापात्र को ज्ञानपीठ पुरस्कार कब मिला ?
- (ग) 'महुआ' काव्य संग्रह के रचयिता कौन हैं ?
- (घ) 'सांझ' कविता किस काव्य-संग्रह में संकलित है ?
- (ङ) 'संताप और अवचेतन के कवि' के रूप में किस कवि ने ख्याति प्राप्त की है ?
2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15
- (क) तो फिर आज की सभा भंग कर दो,
नया रूप नई शोभा लेकर आओ
फिर से नूतन बनाकर ग्रहण करो मुझ चिर पुरातन को
नूतन विवाह-बंधन से मुझे बाँधों नवीन जीवन डोर से।
- (ख) हम से है ताकत हमारी, विभिन्नता में एकता
शत्रु भय खाता है हमसे, एकजुटता हमारी देखता
सच यही है, जान लो, यही है वह अनमोल ज्ञान
दुनिया में बनाएगा जो, हमें महान में भी महान।
- (ग) वे दिन अब दूर हुए जब ब्राह्मण मालिक कहलाता,
जब गोरी चमड़ी वाला कोई बनता था हमारा आका
जब झुकना पड़ता था हमको उन नीचों के आगे
धोखे से गुलाम बनाकर हम पर जो गोली दागे।

(घ) एक हाथ में उसके निद्रादायी हलाहल
दूसरे में उज्जीवन नील-स्वप्न का भ्रूण
वह है सारा इहलोक, परलोक
मृत्यु और फागुन।

(ङ) देखता हूँ मैं शून्यता को
और पूछता हूँ
आत्माराम, शून्यमय ओ निरंजन
बनूँगा नहीं क्या मैं कभी आकाश।

3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर के काव्य की काव्यगत विशेषता पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

“पल-पल परिवर्तित प्रकृति के विविध रंग-रूप को सीताकांत महापात्र ने अपने काव्य-लेखन में बहुत कलात्मकता के साथ शब्दबद्ध किया है।”- कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 15

4. ‘वर्षा की सुबह’ कविता की विषयवस्तु एवं रसयोजना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सुब्रह्मण्यम भारती के काव्य में चित्रित राष्ट्रीय चेतना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 15

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

—x—